संब्यो॰विब/ग्रम्बाला/149-85/51544--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंब (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डोगढ़, (2) जनरल मैनेजर, हरियाणा, रोडवज श्रम्बाला शहर, के श्रमिक श्री होरी लाल तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है:-

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इसलिए अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड क्ष्णि प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उनत अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला, को विवाद अस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवाद अस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री होरी लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संब्ब्रोबिब | अम्बाला | 139-85 | 51551.—चूिक हूरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंब (1) उपायुक्त, अम्बाला, (2) - प्रशासक, नगरपालिका शाहजादपुर, के श्रमिक श्री संत राम तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई अोदोगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए अवग्रीखोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना मंठ 3(44) 84-3-श्रुम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला, को विवाद ग्रस्त या उउससे सम्बन्धित नीचे लिखित मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला है अथवा या उससे सुसंगत सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री सन्त राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संब्योबिव | अम्बाला | 174-85 | 51558 ---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं वर्तार को ब्रोब श्रोब श्रोडिट एण्ड सर्विस सोसाईटी लिब, तंनौर, तहसील थानेसर जिला युरुक्षेत्र के श्रमिक श्री सुरजीत सिहंतथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्काय हेतु निर्दिष्ट करता बांछनीय समझते हैं।

इस लिए, अब, अौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ह्रियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44) 84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, स्ट्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला, को विवाद प्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचीट तीन मास में देन हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या उससे सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

ुक्या श्री सुरजीत सिंह की सेवाग्नों का 'समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है।

सं अप्रो वि । करीदावाद | 147-85 | 51564 - चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । (1) उपायुक्त अम्बालां, (2) प्रशासक, नगरपालिका शाहजादपुर के अभिक श्री रमेश सेठी तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भी होगिक विवाद है :

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं।

इसलिए अबस्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी स्रधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 स्रशैल, 1984, द्वारो उक्त अधिनियम की धारा 7 के स्रधीन गठित श्रम न्यायालय, स्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उसरो सम्वन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंच ट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रयन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उस से सुनंगा प्रयत्ना सन्बन्धित मामला है: ---

क्या श्री रमेश सेठीकी सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है, यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? .